जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

22/04/2024

प्रेस विज्ञप्ति

जामिया मिल्लिया इस्लामिया ने एएससीआई अकादेमी के सहयोग से नैतिक विज्ञापन को सशक्त बनाने हेतु संकाय संवर्धन कार्यक्रम (एफडीपी) की मेजबानी की ।

अनवर जमाल किदवई मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एजेकेएमसीआरसी), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने दिनांक 20 अप्रैल, 2024. को एएससीआई अकादमी और भारतीय विज्ञापन मानक परिषद के सहयोग से नैतिक विज्ञापन विषय पर एक दिवसीय संकाय संवर्धन कार्यक्रम (एफडीपी) का आयोजन किया। एएससीआई अकादमी एक स्व-नियामक संगठन है जिसके द्वारा भारत में जिम्मेदार विज्ञापन प्रथाओं को बढ़ावा दिया जाता है।
विश्वविद्यालय परिसर में आयोजित इस एक दिवसीय कार्यक्रम में विज्ञापन एजेंसियों, मीडिया घरानों और कॉर्पोरेट संस्थाओं सहित विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों एवं संगठनों के सौ से अधिक शिक्षकों, शोधार्थियों तथा पेशेवरों की भागीदारी रही ।

नैतिक विज्ञापन के बारे में जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से इस कार्यक्रम ने प्रतिभागियों को सामाजिक रूप से जिम्मेदार संदेश के बारे में जानकारी प्रदान की एवं जिम्मेदार विज्ञापन प्रथाओं को बढ़ावा देने में एएससीआई द्वारा निभाई जाने वाली भूमिका से अवगत कराया ।

उद्योग विशेषज्ञ एवं एएससीआई अकादमी की मास्टर ट्रेनर, अदिति हिंगू के नेतृत्व में उक्त कार्यक्रम का विषय "नैतिक विज्ञापन को सशक्त बनाना" समृद्ध चर्चाओं और प्रस्तुतियों में शामिल प्रतिभागियों से अनुगूँजित रहा। व्यावहारिक सत्रों के माध्यम से उपस्थित प्रतिभागियों ने सत्यता, पारदर्शिता, सामाजिक दायित्व एवं उपभोक्ता विश्वास जैसे प्रमुख विषयों पर चर्चा की।

जामिया मिल्लिया इस्लामिया के कार्यवाहक कुलपति प्रो. इकबाल हुसैन ने अपने उद्घाटन संबोधन में उपभोक्ताओं के बीच विश्वास और विश्वसनीयता बढ़ाने के महत्व पर जोर देते हुए कार्यक्रम की रूपरेखा प्रस्तुत की । उन्होंने अपने संबोधन में जिम्मेदार विज्ञापन की आवश्यकता और हमारे मौलिक संवैधानिक प्रावधानों से निकली निष्पक्ष एवं उचित जानकारी तक पहुंच हेतु उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा करने पर बल दिया।

अनवर जमाल किदवई मास कम्युनिकेशन रिसर्च सेंटर (एजेकेएमसीआरसी), के मानद निदेशक, प्रो. एम कासिम ने प्रतिभागियों को एएससीआई अकादेमी तथा एजेके एमसीआरसी जेएमआई के बीच समझौता ज्ञापन की सूचना दी और नैतिक विज्ञापन के लिए क्षमता निर्माण के साझा लक्ष्यों की दिशा में शैक्षणिक, औद्योगिक और पेशेवर आउटरीच के इच्छित उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी । उन्होंने कुछ अनैतिक प्रथाओं के उदाहरणों और ऐसे कदाचारों से निपटने हेतु नियामक निरीक्षण की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला।

सुश्री हिंगू ने अपने संबोधन में नैतिक विज्ञापन प्रथाओं को आगे बढ़ाने में सहयोग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने शिक्षकों को नैतिक विज्ञापन प्रथाओं से परिचित कराने की आवश्यकता पर बल दिया जिससे वे लोग विज्ञापन पेशेवरों की भावी पीढ़ी में नैतिक मूल्यों को स्थापित कर पाएँ ।

सुश्री हिंगू ने यह भी कहा कि "जिम्मेदार विज्ञापन आज ईमानदार संचार के आधारों में से एक है और वह भी ऐसी स्थिति में जब विज्ञापन की संख्या और मात्रा तीव्र गति से बढ़ और विकसित हो रही है। एजेकेएमसीआरसी, जेएमआई में नैतिक विज्ञापन को सशक्त बनाने हेतु एएससीआई अकादमी द्वारा आयोजित कार्यशाला उन शिक्षकों के लिए है जो आज ऐसे छात्रों को पढ़ा रहे हैं जो आने वाले कल के पेशेवर बनेंगे। देश के कुछ सर्वश्रेष्ठ संकाय सदस्यों के साथ एक आकर्षक सत्र आयोजित करना मेरे लिया खुशी और सौभाग्य की बात है। "

संकाय संवर्धन कार्यक्रम (एफडीपी) का समापन सकारात्मक सोच के साथ हुआ जिसमें प्रतिभागियों ने अपने शिक्षण में नैतिक सिद्धांतों को एकीकृत करने की प्रतिबद्धता जताई। सभी प्रतिभागियों को प्रतिभागिता प्रमाण- पत्र भी प्रदान किया गया ।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया